Question.1 This question contains 15 very short type subquestions. Answer each question in maximum 10 words. All questions are compulsury. Each question carries 03 (Three Marks)

प्रश्न: Name- Pradeep Saraswat
Date → 7987647889 [21/02/22
P → 2 [पुलन्द - 4, 5, 6]

उत्तर :

प्रश्न:

उत्तर : (A) (I) दक्षिण पूर्व एशिया के 10 देशों का संगठन
(II) 1966 स्थापना मुख्यालय जकार्ता (इण्डोनेशिया)

प्रश्न:

उत्तर : (B) (I) 1985 मे स्थापित, मुख्यालय काठमाण्डु (भारत, नेपाल, भूटान, पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, श्रीलंका, मालदीव) सदस्य

प्रश्न:

उत्तर : (C) मुद्रा छापना, मौद्रिक नीति निर्माण, मुद्रा विनिमय दर नियंत्रण, बैंकों व जनता को ऋण उपलब्धता आदि।

प्रश्न:

उत्तर : (d) लोगों तक बैंकिंग सुविधा व सेवाओं को पहुंचाना। उनके खाता खुलवाना, DBT आदि (PM जनधन योजना)

प्रश्न:

उत्तर : (5) बैंक द्वारा अपनी जमा का एक निश्चित भाग जिस दर पर रिजर्व रखा जाए (SLR) कहलाता है

प्रश्न:

उत्तर : (6) वह कर जिसमे करघात व करापात दोनों एक ही बिन्दु पर हो उदाहरण आयकर, [illegible] कर।

प्रश्न:

उत्तर : (7) (1) राममनोहर लोहिया द्वारा इतिहास चक्र पुस्तक मे प्रतिपादित वर्ग-जाति परिवर्तन पर केन्द्रीत।

प्रश्न:

उत्तर : (8) (1) गांधीजी द्वारा प्रतिपादित जिसमे उद्योगपति को उद्यम का मालिक नहीं संरक्षक समझा जाएगा।

प्रश्न:

उत्तर : (9) डॉ भीमराव अम्बेडकर द्वारा लिखी गयी .

प्रश्न:

उत्तर: (10) (1) अर्थशास्त्र (15 अधिकरणों में विभक्त) राजनीति विज्ञान की पुस्तक है

पू./M

प्रश्न:

उत्तर: (11) (1) जयप्रकाश नारायण द्वारा प्रतिपादित उपरोक्त सम्पूर्ण (सामाजिक, राजनीति, आर्थिक, शैक्षिक) व्यवस्था बदलना।

पू./M

प्रश्न:

उत्तर: (12) लोकप्रशासक कार्य को सम्पन्न करता तथा निश्चित लक्ष्य प्राप्त करता है → गुलिक

पू./M

प्रश्न:

उत्तर: (13) निजि संगठन या व्यक्ति द्वारा स्वं लाभ हेतु स्थापित प्रशासन निजि प्रशासन कहलाता है

पू./M

प्रश्न:

उत्तर: (14) नीति, दक्ष तकनीकी व विशेषज्ञता से युक्त प्रशासन नवलोक प्रशासन है 1968 के बाद स्थापित।

पू./M

SECTION -A

खंड-'अ'

प्रश्न 1. इस प्रश्न में 15 अतिलघुत्तरीय उप प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 10 शब्दों में देना है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं । प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंकों का है। 3x1

Question.1 This question contains 15 very short type subquestions. Answer each question in maximum 10 words. All questions are compulsury. Each question carries 03 (Three Marks)

प्रश्नः

उत्तर : (15) (1) 1966 मे जारी हुआ लोकप्रशासन मे सुधार है
(4) पपीता हड किलाडि, पेपा चम्पतें हुआ

प्रश्नः

उत्तर :

प्रश्नः

उत्तर :

(1) नेहरू समाजवादी नेता होने के कारण प्रमुख मानववादी भी रहे

(i) वैश्विक शांति व सहयोग पर बल

(ii) निशस्त्रीकरण की वकालत

(iii) युद्ध व गुटबाजी प्रतिस्पर्धा का विरोध

(iv) राष्ट्रीय स्वतंत्रता, समानता को प्रोत्साहन

उपाय → (i) पंचशील रणनीति अपनाना

(ii) शीत युद्ध से (NAM) स्थापना

(iii) उपनिवेश स्वतंत्रता का समर्थन

(v) वैश्विक संस्थाओं की समानता का समर्थन

(2.2)

उत्तर :

(2) गांधीजी का यह सबसे महत्वपूर्ण विचार है अहिंसा के तय प्रकार अनुसार व्यक्ति को किसी अन्य के विचारों या की चोरी नहीं करना चाहिए। साथ ही उपभोक्ता हितों को ध्यान में रखकर ईमानदारी युक्ति व्यवहार करें तथा ट्रस्टीशिप अवधारणा अपनाते हुए संपत्ति के संरक्षक भूमिका निभाएं।

उत्तर :

(C) लोहिया द्वारा सप्त क्रांतियां घोषित की गयी
→ साम्राज्यवाद व उपनिवेशवाद के विरुद्ध क्रांति
→ जातिवाद व भेदभाव के विरुद्ध
→ आर्थिक असमानता व शोषण के विरुद्ध
→ लैंगिक भेदभाव व असमानता के विरुद्ध
→ निशस्त्रीकरण व शांति के लिए क्रांति
→ राजनैतिक निरकुंशता व नागरिक जीवन हस्तक्षेप के विरुद्ध क्रांति।
→ नरसंहारवादी प्रवृत्ति के विरुद्ध क्रांति।
ये सभी एक साथ निरन्तर चल रही है।

न: (2.2)

उत्तर :

(ए) (i) दलितों को संगठित करना भारतीय अनुसूचित जाति संघ
(ii) दलितों को शिक्षा, रहन-सहन, अधिकारों के जागरूक करना मूकनायक प्रकाशन।
(iii) मंदिर प्रवेश व सार्वजनिक जल उपयोग अधिकार दिलवाना → महाड़ / कालाराम सत्याग्रह
(iv) राजनैतिक प्रतिनिधित्व में आरक्षण व्यवस्था
(v) न्यायपालिका - प्रशासनिक क्षेत्र में आरक्षण।
(vi) संविधान द्वारा अस्पृश्यता अनुच्छेद (17) व समानता स्वतंत्रता (14-18)

प्रश्न: (2.2)

पृ./M =

प्राप्त

उत्तर :

(5) भारतीय लोह इस्पात उद्योग का वितरण

(i) पूर्व प्रमुखत: उत्तर-पूर्वी प्रदेश
बंगाल, झारखण्ड, छत्तीसगढ़, उड़ीसा मे स्थित
जमशेदपुर, बर्नपुर, भिलाई, दुर्गापुर, राउरकेला

(ii) अन्य क्षेत्र → विशाखापत्तनम (आंध्र)
विश्वेश्वरय्या (कर्नाटक) आदि

(iii) विजयनगर (कर्नाटक) व सलेम
(तमिलनाडु)

कारण → पर्याप्त कच्चा माल
कारण → तटीय बंदरगाह
कारण → कुशल श्रम
कारण → वित्त बाजार

प्रश्न: (2.2)

पृ./M =

प्राप्त

उत्तर :

(6) सरकार द्वारा कम मूल्य पर सब्सिडी युक्त अनाज वितरण कि व्यवस्था लोक वितरण प्रणाली है।

किसान → FCI → खाद्य दुकाने → BPL / APL / अंत्योदय

(i) 1965 मे स्थापित → 1997 मे लक्षित PDS → 2000 अंत्योदय → NFSA-2013

(ii) BPL धारक प्रति (1, 2, 3) बाजरा, गेहूं चावल (35 kg) व APL (15 kg) अनाज।

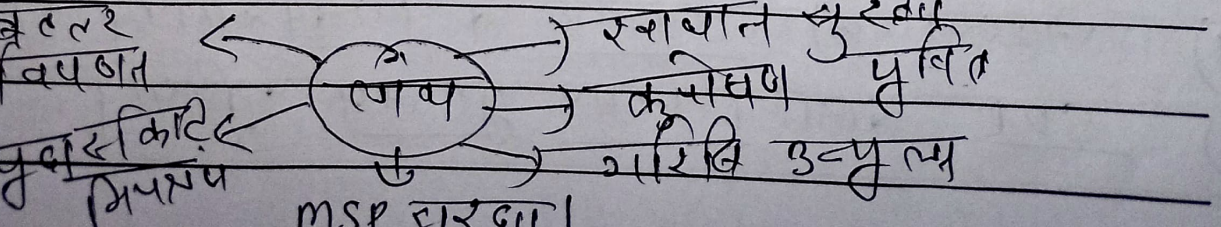

लाभ → खाद्यान्न सुरक्षा
लाभ → कुपोषण पुष्टि
लाभ → गरीबी उन्मूलन
लाभ → बेहतर वितरण
लाभ → पुनर्वितरित मिशन
लाभ → MSP सुरक्षा।

उत्तर :

(i) प्रत्यक्ष → वह कर जिसमें करघात व करापात एक बिन्दु पर हो जिस पर कर लगे वही उसका भुगतान करे। उदा० कार्पोरेट, आयकर टैक्स

(ii) अप्रत्यक्ष → वह कर जिसमें कराघात व करापात भिन्न बिन्दु पर हो अर्थात जिस पर कर लगा वह उसे स्थानांतरण कर दे अन्य द्वारा भुगतान किया जाए उदा० जड़ा, उत्पादन, बिक्री व GST।

प्रश्न: (2.2)

उत्तर :

(8) अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष 1945 में स्थापित मुख्यालय वाशिंगटन D.C

संरचना → (i) बोर्ड ऑफ गवर्नर (ii) प्रबंधक निदेशक (iii) कार्यकारी बोर्ड → 24 सदस्य।

कार्य → (i) अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक सहयोग

(ii) अंतर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था निगरानी।

(iii) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा विनिमय दर निर्धारण।

(iv) भुगतान संकट में सदस्यों की सहायता।

(v) सदस्यों को तकनीकी व वित्तीय सहायता दे।

(vi) SDR द्वारा विनिमय भुगतान सुविधा।

प्रश्न: (2.2)

उत्तर :

(9) NPM की निम्नलिखित विशेषताएं है।

(i) प्रशासन व राजनीति विभाजन अस्वीकार करता है।

(ii) शासन मे नैतिक मूल्यो को स्थापित करना।

(iii) पदसोपान व्यवस्था को अस्वीकारना।

(iv) मितव्ययता, प्रभाविता, उत्तरदायित्व, पारदर्शिता, प्रतिबद्धता पर बल।

(v) केन्द्रीकरण के स्थान पर विकेन्द्रीकरण पर बल देना।

(vi) सरकारी नियन्त्रण को उदार करना।

प्रश्न: (2.2)

उत्तर :

(10) संगठन कार्यविधि व व्यवस्था हेतु विभिन्न सिद्धांत प्रतिपादित हुआ।

(i) शास्त्रीय सिद्धांत → आइर्य अनुभव पर आधारित → हेनरी फियोल नायक हुआ।

(ii) वैज्ञानिक → टेलर प्रतिपादक योग्यता व कार्य को विज्ञान के रूप मे विकसित करना

(iii) मानव संबंध → एल्टन मेयो प्रतिपादक संगठन मे मानव संबंधो को महत्व तथा अध्ययन

(iv) नौकरशाही → मैक्स वेबर → स्थायी कर्मचारी महत्व।

प्रश्न: (3.1)

PART-C

(1) राष्ट्रपिता महात्मा गांधी भारतीय संस्कृति, दर्शन, इतिहास, गौरव के प्रशंसक रहे। इन्हीं विशेषताओं से युक्त अपनी शिक्षा दृष्टिकोण को वर्धा 1937 सम्मेलन प्रदर्शित किया।
जिसमें गांधी शिक्षा दर्शन निम्न विशेषता दिखायी पड़ती है।

(i) प्रारंभिक शिक्षा – (i) प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में दी जाए।
(ii) माध्यमिक शिक्षा तक का खर्च राज्य उठाए यह मुफ्त हो।
(iii) पुरुष व स्त्रियों दोनों को समान शिक्षा।
(iv) बच्चों को मुख्य पाठ्य शिक्षा के साथ कुशल विकास प्रशिक्षण भी दिया जाए जैसे → दस्तकार, बढ़ई, आदि।

(4) बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा गैर औपचारिक हो उसके स्थान पर नैतिक शिक्षा दी जाए।

(5) उच्च शिक्षा → (i) उच्च शिक्षा संस्थान स्वयं औद्योगिक संगठन उठाए क्योंकि पारम्परिक संस्थान इनसे निर्भय

(ii) चिकित्सा संस्थानों को अस्पताल से जोड़ दिया जाए ताकि आय की स्वयं पूर्ति हो

(iii) कृषि विश्वविद्यालय कृषि क्षेत्रों में गतिविधियां सम्पन्न करें तथा स्वयं वहन करें।

(4) कुल संकाय को कौशल प्रशिक्षण भी दिया जाए।

पहल:
- शिक्षा लागत कम
- पैतृक सम्पन्न
- समाज कुल
- रोजगारमूलक
- पाठ्यक्रम क्षेत्रीयता
- सार्वभौमिकरण पर बल

अतः स्पष्ट गांधीदर्शन को नई शिक्षा नीति पर अपनाना चाहिए।

Nema Books -9200333367

(2)

जवाहर लाल नेहरू पाश्चात्यवादी विचारो से प्रभावित होने के बावजूद लोकतांत्रिक समाजवादी रहे तथा उन्होने भारतीय समाज की अवहेलना की तथा इसके साथ 'राष्ट्र' विचार का समर्थन किया।

नेहरू ने भारत को एक राष्ट्र के रूप मे स्वीकार किया है उनके अनुसार भारतीय देश मे विभिन्न भाषायी, जातिय क्षेत्रिय भिन्नता के बावजूद सांस्कृतिक एकता विद्यमान है तथा सब को गौरवशाली संस्कृति व सांस्कृतिक का उपलब्धियां समान है। यही समानता का विचार सम्पूर्ण भारतीय राज्यो के लोगो मे एकता व समन्वयवादी विचार धारणा पैदा कर राष्ट्र का निर्माण करती है

नेहरू ने एक राष्ट्र हेतु कुछ निश्चित विशेषताएं बतायी।

(I) सांस्कृतिक व ऐतिहासिक एकता स्थापना।

(II) समान सांस्कृतिक मूल व गौरवशाली उपलब्धियां

(III) नागरिकों में एकता, बंधुत्व की भावना हो

(IV) धार्मिक, सामाजिक, सहिष्णुता एकता पर बल

(V) नागरिकों में राष्ट्र के प्रति त्याग, समर्पण की भावना। अर्थात राष्ट्रवाद हो।

अतः कहना उचित होगा नेहरू राष्ट्र अवधारणा सामाजिक-धार्मिक समन्वय, एकता व आपसी सहयोग पर आधारित है।

(3)

भारतीय बिस्मार्क के रूप में प्रसिद्ध तथा भारतीय एकीकरण व राष्ट्र निर्माता सरदार पटेल एक प्रमुख राष्ट्रवादी, स्वतंत्रता सेनानी रहे। उनके राष्ट्रवादी विचारों में निम्न विशेषताएं हैं

(i) राष्ट्रीय एकता → राष्ट्रीय सुरक्षा व सम्प्रभुता के लिए छोटे राज्यों व रियासतों का विरोध तथा एकीकरण पर बल।

(ii) केन्द्रीकृत → पटेल सशक्त - शक्तिशाली केन्द्र सरकार के समर्थक ताकि एकता - अखण्डता बनी रहे।

(iii) लोकतंत्र → पटेल लोकतांत्रिक व्यवस्था के समर्थक रहे।

Nema Books -9200333367

(4) नागरिक सुरक्षा → शासन के नागरिकों के कुछ अधिकारों को कानूनी सुरक्षा दी जाए उदाहरण अभिव्यक्ति, संगठन निर्माण आदि

(5) धर्मनिरपेक्षता → शासन के धार्मिक विचारों, मूल, रीति-रिवाजों का सम्मान हो परन्तु राज-धर्म से दूरस्थ रहे।

(6) जनसहभागिता → लोकव्यवस्था व जनभागीदारी द्वारा नीति निर्माण हो।

(7) आर्थिक स्वतंत्रता → इसके बिना राजनैतिक स्वतंत्रता अधूरी। संपत्ति अधिकार, सुरक्षित रखा जाए

इस तरह पेन के राष्ट्रीय विचारों पर राष्ट्रवादीता, ससंद केन्द्र व नागरिक कर्तव्यपूर्ण नागरिक तत्व दिखाई पड़ते हैं।

(5)

कोविड के बाद व वर्तमान भारतीय अर्थव्यवस्था में कई नई चुनौतियाँ आयी हुई भारत विश्व 5th अर्थव्यवस्था है जिसमें निम्न ट्रेंड दिखायी पड़ते हैं।

(i) कृषि क्षेत्र GDP भागीदारी 17.5% मानव भागीदारी 50.4%।

(ii) औद्योगिक भागीदारी न्यूनतम बनी हुई GDP [28.4%]।

(iii) सेवा क्षेत्र तीव्र वृद्धि परन्तु रोजगार पर्याप्त नहीं GDP [54%] रोजगार [29%]।

(iv) निर्यात निवेश में तेजी आयी 2013 [31.4%] (2014-15) [29.15%] लगभग

नाउ देशों का उदय।

(v) सकल पूंजी निर्माण [GDP-30%] में लगातार क्रयशक्ति में वृद्धि कर रहा।

(vi) स्टार्टअप को बढ़ावा मिला सार्वभौमिक यूनिकॉर्न कंपनियाँ भारत खोल रही है।

Nema Books -9200333367

(7) रोजगार सुगमता (11 स्थान) बढ़ा
(8) डिजिटल पेमेंट, वित्तीय समावेशन बढ़ा
(9) इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्युटिकल, औद्योगिक उत्पादन बढ़ रहा है → PLI योजना।

परन्तु कुछ चुनौतियां भी विद्यमान

(i) GDP वृद्धि में गिरावट [2020 - [-7.3%] (2022-23) के लिए (IMF) ने वृद्धि दर बताई।
(ii) बढ़ती बेरोजगारी [CMIE 11.2% (JAN 2021)
(iii) बढ़ती असमानता ऑक्सफैम असमानता रिपोर्ट → 1% अमीरों के पास 22% संपत्ति
(iv) बढ़ता राजकोषीय घाटा 2021-22 (9.6%)
(v) वित्त निवेश में कमी क्योंकि बढ़ता NPA। [कुल बैंकिंग NPA 11.5%]
(vi) लॉजिस्टिक लागत अधिक बनी हुई (14%)
प्रभाव → आत्मनिर्भरता, PLI/DLI, कैपिटल एक्स बढ़ती अवसंरचना में निवेश आदि
अतः निवेश आकर्षित व रोजगार सृजन को केन्द्र में रखकर नीति निर्माण किया जाए।

(5)

वह प्रशासन जो विकास संबंधि कार्य करे विकास प्रशासन कहलाते हैं। इसके तहत सामाजिक राजनैतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक लक्ष्य निर्धारित करे प्राप्त किए जाते हैं।

विकास प्रशासन निम्न विशेषता होती हैं

पुरातनवादी ←	→ परिवर्तनवादी
नियोजनवादी ←	→ लक्ष्योन्मुखी
प्रतिबद्ध ←	→ जनसहभागी
परिणामोन्मुखी ←	→ विकेन्द्रीकृत

(1) परिवर्तनवादी → यह यथास्थिति का विरोध व सुधार का समर्थन करता है।

(2) लक्ष्योन्मुखी → तय लक्ष्य निर्धारित कर उपयुक्त नीति निर्माण
उदा० 2025 तक 5 ट्रिलियन $ लक्ष्य

(iii) जनभागीदारी → नीतियो के क्रियान्वन व निगरानी मे उपयोक्त जनभागीदारी उदाहरण दर्पणपोर्टल।

(iv) विकेन्द्रीकृत → सत्ता का स्थानीय स्तर पर हस्तांतरण (पंचायत)

(v) मूल्यवादी → नीतियो मे मानव मूल्यो व संबंधो को महत्व।

(vi) नियोजनवादी → संसाधनो के बेहतर उपयोग हेतु नियोजन आवश्यक उदाहरण नीति / योजना आयोग

(vii) प्रतिबद्धता → कार्य, नीतियो, लक्ष्य के प्रति जनता के प्रति उत्तरदायी।

(x) परिणामन्मुख → मूल्यांकन उपकरण उपकरणा स्वरूप के कार्य नीतियो की स्पष्टता पर उभरती अर्थव्यवस्था के कल्याण हेतु महत्वपूर्ण अवधारणा हो